









## काम की खबरें



1

आज रद्द हड्डी धनबाद-झाड़गाम में एक सप्रेस धनबाद। दिवाली-पूर्व रेलवे के आदा मल में कोटीशिला रेस्टेशन पर चल रहे नन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण छह दिवार को खुलने वाली झाड़गाम-धनबाद-झाड़गाम में एक सप्रेस रद्द होगी। दोनों तरफ से ट्रेन को नहीं बलाया जाएगा।



बीबीएमकेर्यू में कैंपस प्लेसमेंट कल

धनबाद। बीबीएमकेर्यू में कैंपस पर सात दिवार को टैसीएस लोस्मेंट का आयोजन होगा। वर्ष-2023 वर्ष 2024 में बीबीकॉम, बीबीए, बीबीकॉम पासवाउट छात्र-छात्राएं कैंपस प्लेसमेंट में हिस्सा ले सकते हैं। राजिस्ट्रेशन के लिए पहले ही गूगल फॉर्म जारी कर दिया गया।



साहबर प्रॉड के शिकायत हुए तो यहां करें शिकायत

यदि आप साहबर प्रॉड के शिकायत हुए हों तो अब भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए हेत्पालाइन नंबर 1930 वा मोबाइल नंबर 9771432133 जारी किया गया है। अपराध अनुसंधान विभाग के इन्सेक्ट के इमेल cyber@jhpolice.gov.in पर भी शिकायत की जा सकती है।



पेमेंट गेटवे से भी अब टैक्स करें भुगतान

ई-पेट्रोल सेवा के तहत अब करदाता आरटीएस/एन-एपटी के साथ-साथ पेमेंट गेटवे में भुगतान कर सकते हैं। पहले करदाताओं के लिए यह विकल्प बहुत नहीं था, लेकिन अब इस विकल्प के आजाने से उन्हें कर के भुगतान में आसानी होगी।



उमंग ऐप से ऐसे चेक करें ईमेल बैलेस

ईपीएफ से जुड़े सदस्य उमंग ऐप से अपना बैलेस वेक कर सकते हैं। ग्रूप एप्ले रेटर से उमंग ऐप डाउनलोड करें। इसके बाद ईमेल एक्षेंटों की ओर भुगतान कर सकते हैं। इसके लिए सदस्य को इम्पाल लार्सन, व्या पासबुक और गेट एटीपी एप्ले विकल्प करें। ओटीपी दर्ज करते ही ईपीएफ बैलेस की जानकारी मिलेगी।



विवाह के लिए भी ले सकते हैं एडवांस

ईमेल ओं के सदस्य उमंग ऐप के लिए भी एडवांस ले सकते हैं। यह राशि सदस्य अपने बैटे या बेटी और भाई-बहन की शादी के लिए ले सकते हैं। इसके लिए सदस्य को इम्पाल लार्सन की ओर भुगतान कर सकते हैं। इसके लिए सदस्य की सदस्यता होनी चाहिए। सदस्य के अंशदान का व्याज सहित 50 फीसदी राशि ले सकते हैं।



शहर 30s



धनबाद रेलवे स्टेशन रोड में गुरुवार को भीषण जाम में फंसे वाहन।

दुलु महतो मामले में गवाह पेश करने का आदेश

धनबाद। बोरो में विटाई के पोटोरों कुंती दीपी व डोमन महतो के साथ मारीट के दो मामले में बहादर सांसद दुलु महतो समेत अन्य के खिलाफ लिए एप्रिल से अपना बैलेस वेक कर सकते हैं। ग्रूप एप्ले रेटर से उमंग ऐप डाउनलोड करें। इसके बाद ईमेल एक्षेंटों की ओर भुगतान कर सकते हैं। कोटर ने सुनाइ की अग्री तरीके लिए एप्रिल कोटर में हाजिर नहीं थे। कोटर ने सुनाइ की अग्री तरीके लिए एप्रिल कोटर में हाजिर नहीं थे। कोटर ने सुनाइ की अग्री तरीके लिए एप्रिल कोटर में हाजिर नहीं थे। कोटर ने सुनाइ की अग्री तरीके लिए एप्रिल कोटर में हाजिर नहीं थे।

विवाह के लिए भी ले सकते हैं एडवांस

ईमेल ओं के सदस्य उमंग ऐप के लिए भी एडवांस ले सकते हैं। यह राशि सदस्य अपने बैटे या बेटी और भाई-बहन की शादी के लिए ले सकते हैं। इसके लिए सदस्य को इम्पाल लार्सन की ओर भुगतान कर सकते हैं। इसके लिए सदस्य की सदस्यता होनी चाहिए। सदस्य के अंशदान का व्याज सहित 50 फीसदी राशि ले सकते हैं।

## धनबाद में भूमि के अभाव में अटकी हैं नगर निगम की बड़ी योजनाएं

### पड़ताल

धनबाद, प्रमुख संचालन दाता। एक साल और बीत गया, लोकी धनबाद नगर निगम को अपनी योजनाएं धरातल पर तारने के लिए जमीन नहीं मिली। एक तरफ धनबाद में धड़लों से सकारी जमीन का अतिक्रमण हो रहा है। वहीं दूसरी ओर नगर निगम को अपनी योजनाएं पूरी करने के लिए जमीन नहीं मिल रही है। जमीन के अधाव में नगर निगम की 500 कोटोड रुपए से अधिक की योजनाएं फंसी हुई हैं, कोई दस साल तो कोई दो साल से योजनाएं फंसी हैं। इस दिशा में सकारात्मक पहल नहीं हो रही है।

शहर को सुरुद और स्वच्छ बनाने वाले नगर निगम के पास है। शहर की आधारभूत संरचना बदलने के लिए कई योजनाएं बन गईं, उसके लिए सरकार से पैसे भी मिल गए लोकिन जमीन नहीं मिली। जमीन के लिए संबंधित अचार्यालिंगरी से लेकर जिला प्रशासन तक को पत्र लिया गया। लोकिन जमीन नहीं बनने से शहर का कठारा निकलकर एक जगह फ़ाड़ बनता जा रहा है। शहरी योजनाएं बढ़ी हुई हैं, कोई दस साल तो कोई दो साल से योजनाएं फंसी हैं। इस दिशा में सकारात्मक पहल नहीं हो रही है।



झरिया के बनियाहीर में डंप हो रहा धनबाद शहर समेत आसपास का कूड़ा-कचरा। ● हिन्दुस्तान

### सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट

**योजना 1** 72 कोरोड़ की योजना बीते एक दशक से भूमि के अभाव में अटकी है। बोलियापुर में भूमि मिली, लोकिन वह पारस्पर नहीं है। साथ ही वहां स्थानीय लोगों का भारी विरोध है। सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट नहीं बनने से शहर का कठारा निकलकर एक जगह फ़ाड़ बनता जा रहा है।

### इंटर स्टेट बस टर्मिनल

**योजना 2** आईएसपीटी के लिए पहले बरावांडा के पांडुकी में जगह देखी गई थी। लोकिन यहां रेयत की जमीन निकलने की वजह से यह योजना अटकी हुई है। एक बराव फिर से उसके लिए कठरास में जमीन विनियोग की गई है। लोकिन अवतक यह जमीन नगर निगम को मिली नहीं है।

### सीवरेज-इनेज योजना

**योजना 3** सीवरेज इनेज योजना के लिए जाह-जाह एसीपी बनाना है। इसके लिए भी जमीन नहीं मिल रही है।

### हर वार्ड में पार्क निर्माण

**योजना 4** हर वार्ड में एक पार्क बनाने की योजना है। भूमि के अभाव में 5 पार्क बने हैं, जबकि वार्ड की संख्या 55 है।

## धनबाद का पारा आज 10

### डिग्री पहुंचेगा, बढ़ेगी ठंड

धनबाद, प्रमुख संचालन दाता। धनबाद में ठंड की रफ़तार बढ़ रही है। दिसंबर के पहले हफ्ते में धनबाद का न्यूनतम तापमान 19 डिग्री होगा। शुक्रवार को 10 डिग्री न्यूनतम तापमान पहुंचेगा, जिससे ठंड बढ़ेगी लेकिन यह टैब फिर से न्यूनतम तापमान बढ़कर 14 डिग्री हो जाएगा। मौसम का यह उत्तर-चाहाव योग्य है।

दिसंबर माह में ठंड की बीची रफ़तार अवतरण नहीं बढ़ती है, जैसी बढ़ी धाही चाहिए। 15 दिसंबर के बाद धनबाद का बादल लेनिस एसेसिंग टार्म नामक नामांकन के लिए बढ़ेगी।

दिसंबर माह में ठंड की बीची रफ़तार अवतरण नहीं बढ़ती है, जैसी बढ़ी धाही चाहिए। 15 दिसंबर के बाद धनबाद का बादल लेनिस एसेसिंग टार्म नामक नामांकन के लिए बढ़ेगी।

दिसंबर माह में ठंड की बीची रफ़तार अवतरण नहीं बढ़ती है, जैसी बढ़ी धाही चाहिए। 15 दिसंबर के बाद धनबाद का बादल लेनिस एसेसिंग टार्म नामक नामांकन के लिए बढ़ेगी।

दिसंबर माह में ठंड की बीची रफ़तार अवतरण नहीं बढ़ती है, जैसी बढ़ी धाही चाहिए। 15 दिसंबर के बाद धनबाद का बादल लेनिस एसेसिंग टार्म नामक नामांकन के लिए बढ़ेगी।

दिसंबर माह में ठंड की बीची रफ़तार अवतरण नहीं बढ़ती है, जैसी बढ़ी धाही चाहिए। 15 दिसंबर के बाद धनबाद का बादल लेनिस एसेसिंग टार्म नामक नामांकन के लिए बढ़ेगी।

दिसंबर माह में ठंड की बीची रफ़तार अवतरण नहीं बढ़ती है, जैसी बढ़ी धाही चाहिए। 15 दिसंबर के बाद धनबाद का बादल लेनिस एसेसिंग टार्म नामक नामांकन के लिए बढ़ेगी।

दिसंबर माह में ठंड की बीची रफ़तार अवतरण नहीं बढ़ती है, जैसी बढ़ी धाही चाहिए। 15 दिसंबर के बाद धनबाद का बादल लेनिस एसेसिंग टार्म नामक नामांकन के लिए बढ़ेगी।

दिसंबर माह में ठंड की बीची रफ़तार अवतरण नहीं बढ़ती है, जैसी बढ़ी धाही चाहिए। 15 दिसंबर के बाद धनबाद का बादल लेनिस एसेसिंग टार्म नामक नामांकन के लिए बढ़ेगी।

दिसंबर माह में ठंड की बीची रफ़तार अवतरण नहीं बढ़ती है, जैसी बढ़ी धाही चाहिए। 15 दिसंबर के बाद धनबाद का बादल लेनिस एसेसिंग टार्म नामक न



मुख्यमंत्री

## भगवंत सिंह मान

द्वाया شہید-ए-आज़م

# सरदार भगत सिंह

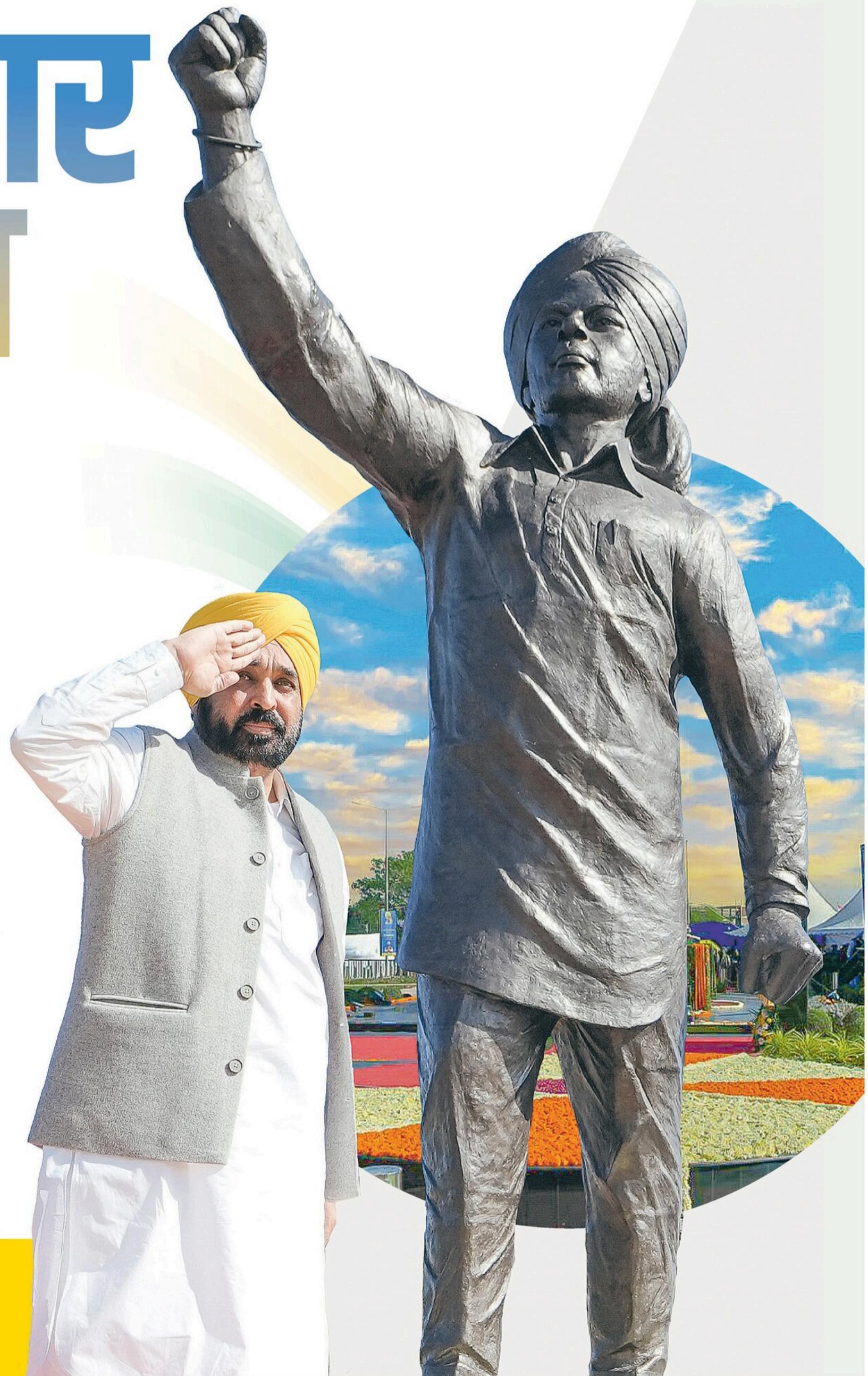
की 30 फीट  
ऊंची प्रतिमा  
देश को समर्पित

(शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई  
अड्डा, एस.ए.एस नगर, मोहाली)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान  
के व्हाट्सएप चैनल से जुड़ें



Punjab Land of  
Unlimited Opportunities



“ शहीद भगत सिंह भारत के युवाओं की अतुलनीय भावना और साहस के प्रतीक हैं। उनका बलिदान हमें सदैव देश के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित करता रहेगा। ”

भगवंत सिंह मान

मुख्यमंत्री, पंजाब







Email: dhanbadgs@gmail.com

## आम सूचना

धनबाद जिला अन्तर्गत चौकीदार के रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति के मामले में दावा आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु कार्यालय ज्ञापांक-3547 / सा. दिनांक-28.11.2024 के द्वारा प्रकाशित विज्ञापन सं-01 / 2024 एवं P.R. No. - 340702, दिनांक- 29/11/2024 के अलोक में प्राप्त आवेदकों पर्याप्त रूप से उपलब्ध कराते हुए दावा आपत्ति करने हेतु आवेदकों को दिनांक-28.11.2024 से 04.12.2024 तक अवधि निर्धारित की गई थी। निदेशनुसार सभी आवेदकों को दावा आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु अवधि को विस्तार करते हुए दिनांक-10.12.2024 तक नियरित किया जाता है।

आवेदक दावा आपत्ति [www.dhanbad.nic.in](http://www.dhanbad.nic.in) पर उपलब्ध विहित प्रपत्र में अनुलग्नक सहित समर्पित करेंगे।

उप समाहर्ता प्रभारी, सामान्य शाखा, धनबाद

PR 341295 District(24-25)#D

Office of the Executive Engineer  
Konar Canal Division,Bagodar,GiridihMemo No.- WRD/KCDivisionBagodar/Turnkey-01/2024-25 Dated: -05.12.2024  
2<sup>nd</sup> Corrigendum

This is to notify all Concern the WRD/KCDivision,Bagodar/Turnkey-01/2024-25 Dated: -14.10.2024 having PR 338846 (Water Resource) 24-25 (D), the period of availability of bidding document and the corresponding dates and time have been extended as follows:-

Reference/Clause	As per previous publication	Modification
Period of availability of Bidding documenton website.	From 23.10.2024 at 5:00 PM to 06.12.2024 up to 5:00 PM	From 23.10.2024 at 5:00 PM to 12.12.2024 up to 5:00 PM
Period of onlinesubmission of Bids	From 23.10.2024 at 5:00 PM to 06.12.2024 up to 5:00 PM	From 23.10.2024 at 5:00 PM to 12.12.2024 up to 5:00 PM
Date and Time ofopening of EMD & Pre- Qualification Bid	09.12.2024 up to 2:00 PM	13.12.2024 up to 2:00 PM

Executive Engineer,  
Konar Canal Division,Bagodar,Gridih

PR 341263 (Water Resource)24-25\*D

कार्यालय, नगर परिषद, दुमका  
e-mail – dumka.nagar.parshad@gmail.com

## ॥ आम सूचना ॥

एतद द्वारा दुमका नगर परिषद क्षेत्रान्तर्गत सभी आम दुकानदारों व अस्थाई फुटकर विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि :-

1. शहर में जहाँ तहाँ फल, सब्जी, गुमटी, ठेले, खोमचे आदि की दुकान न लगायें। आप निर्धारित स्थल पर ही अपना दुकान लगायें।
2. आम दुकानदार अपना दुकान का सामान बौरह अपने निर्धारित स्थल तक ही लगायें। सार्वजनिक सड़क व नाले का अतिक्रमण न करें।
3. प्रतिबन्धित प्लास्टिक व उनसे बनी सामग्री का उपयोग न करें। इसके लिए आप जुट, कपड़े, दोने व कागज आदि का प्रयोग करें।
4. दूषित वारपर्हिया वाहन जहाँ तहाँ सड़क पर पार्क नहीं करें। इससे यातायात व्यवस्था बाधित होती है व आमजनों को परेशानी होती है। अतः आप नगर परिषद पार्किंग या निर्धारित स्थल पर ही गाड़ी पार्क करें।
5. भवन निर्माण व अपशिष्ट सामग्री यथा ईंट, बालू, छर्री आदि सड़क पर न रखें।
6. अपने दुकान संस्थान का दैनिक कचरा जहाँ-तहाँ न फेंकें। इसके लिए आप सभी कूड़ेदान का प्रयोग करें व शहर को स्वच्छ बनाये रखें में नगर परिषद, दुमका का सहयोग करें।

आप सभी दुकानदार, व्यापारियों, फुटकर विक्रेताओं से आग्रह है कि उक्त नियमों का समुक्त अनुपालन करना सुनिश्चित करें और अपना-अपना अवैध अतिक्रमण हटा लें। अच्युता अवैध अतिक्रमण सामग्री जब्त करते हुए जुर्माना अधिरोपित किया जाएगा एवं झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासक, नगर परिषद, दुमका

PR 341296 (District)24-25\*D

कार्यालय अभियंता का कार्यालय  
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

## ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई- अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/BOKARO/51/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	बोकारो जिला के चंदनकियारी प्रखण्ड अंतर्गत साबड़ा पंचायत के मोरीजीही जोरिया पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण - (लम्बाई 30.26 मीटर)	22688300.00	454000.00	10000.00	15 माह
2	बोकारो जिला के चंदनकियारी प्रखण्ड अंतर्गत साबड़ा पंचायत की तिथि - 12.12.2024				
3	ई-निविदा योजने का स्थान - कार्यालयका अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।				
4	ई-निविदा योजने की तिथि एवं समय - 21.12.2024 अपराह्न 00:00 बजे				
5	ई-निविदा आमंत्रण की तिथि एवं समय - 21.12.2024 अपराह्न 00:00 बजे				
6	ई-निविदा आमंत्रण की तिथि एवं समय - कार्यालयका अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।				
7	ई-निविदा आमंत्रण की तिथि एवं समय - 20.12.2024 अपराह्न 00:00 बजे				
8	परिमाण विपत्र की राशि पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण - (लम्बाई 30.26 मीटर)				
9	निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि की विवरणी - Online Mode द्वारा स्पीकर्य होगी।				
10	निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि की विवरणी - कार्यालयका अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।				

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट [www.jharkhandtenders.gov.in](http://www.jharkhandtenders.gov.in) एवं कार्यालय की सूचना पहुंच पर देखा जा सकता है।

PR 341256 Rural Development (24-25)\_D

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

कार्यालय का विवरणी

# पीएम उषा : छह विवि और 54 कॉलेजों के प्रस्ताव स्वीकृत पीयू और एलएनएमयू को शोध विवि का दजा

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार के दो विश्वविद्यालयों ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा (एलएमएमयू) और पटना विवि (पीयू), पटना का अनुसंधान विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) के तहत यह दर्जा मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।



100 करोड़ मिलेंगे दर्जा प्राप्त विश्वविद्यालय को



छह विवि, 54 कॉलेजों को मिलेंगे 5 से 20 करोड़

पीएम उषा के तहत राज्य के 19 जिलों के 54 डिग्री कॉलेजों को पांच-पांच करोड़ तथा छह विश्वविद्यालयों को 20-20 करोड़ तक मिलेंगे। भारत सरकार से जल्द अंत मुहर लगाने की उम्मीद है। पीएम उषा के तहत राज्य के उन 19 जिलों के डिग्री कॉलेजों को यह सहायता दी जा रही है, जहां उच्चतर शिक्षा में विद्यार्थियों का नामकरण अपेक्षित अन्य जगहों से कम है। यह राशि पठन-पाठन से जुड़े आधारस्तूत संरचना के विश्वविद्यालयों को 100-100 करोड़ दिये जायेंगे। देशभर के 35 विश्वविद्यालयों को इस वर्ष यह दर्जा दिया जाना है। बिहार के तीसरे विश्वविद्यालय, बीआरए विवि, विश्वविद्यालय, बीआरए प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) के तहत यह दर्जा मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

दिल्ली में परियोजना अनुमोदन बोर्ड की बैठक में इस पर सहमति बन गई है। शीर्षी ही इसको लेकर स्वीकृति का पत्र भारत सरकार से प्राप्त होने की उम्मीद है। अनुसंधान विवि का दर्जा मिलने पर अब बिहार के इन दोनों विश्वविद्यालयों को 100-100 करोड़ दिये जायेंगे। देशभर के 35 विश्वविद्यालयों को इस वर्ष यह दर्जा दिया जाना है। बिहार के तीसरे विश्वविद्यालय, बीआरए विवि, विश्वविद्यालय का इतिहास तथा केन्द्र सरकार से अन्य एजेंसियों से कार्य, विश्वविद्यालय का इतिहास तथा केन्द्र सरकार से अन्य एजेंसियों से मिली राशि का समुचित उपयोग के मानकों पर खड़ा उत्तरने के कारण इन्हें पांच उषा के तहत चयनित किया गया है। अनुसंधान

पटना का बाबू विवि का इतिहास तथा केन्द्र सरकार से अन्य एजेंसियों से भी पहले से प्रमुखता दी जाती रही है। अनुसंधान

## बीपीएससी परीक्षा फॉर्म भरने को और 5 दिन मिले

### श्री राम विवाह



तेजस्वी ने कहा- सरकारी मार्गों पर ध्यान दे

कंधे से कंधा मिलाकर उनकी लाई लड़ेगे। एनडीए सरकार छात्रों के भविष्य और सपनों के साथ खिलावाड़ बद करें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखे पत्र के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष ने चार मार्गों की है।

गुरुवार को सोशल मीडिया पर पत्र जारी किया गया है। अगर सरकार ने अन्यथियों की मार्गों पर विचार नहीं किया तो हम अदेलनकरियों के साथ

हरलाखी (मध्यबनी), एक संवाददाता। हजारों श्रद्धालुओं के जयकारे के बीच गुरुवार को जनकपुर में गुरुवार शाम जनक नीटीश माता सीता का मटकार हुआ। विवाह पंचमी महोसुख के पांचवें वृश्टि तातों में मतदान के लिए खड़े थे। चार जिलों वैष्णवी, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी एवं शिवहर में 197 मतदान केन्द्र गठित किये गये थे। मुजफ्फरपुर में मतदान 9 दिसंबर को होगी और चुनाव परिणाम जारी कर दिया जाएगा।

पटना और मिथिला दोनों विश्वविद्यालयों का समझौता रहा है। यहां शोधकार्यों को अपने संसाधनों से भी पहले से प्रमुखता दी जाती रही है। अनुसंधान

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध कार्यालय और बढ़ेगे।

पटना का बाबू विवि को मिलेगा। इसके बाद यहां शोध क

# न्यायिक चुनौतियों का लगता अंबार



यहां रेकॉर्ड करें

वर्षांश दीक्षित | विषय विशेषज्ञ

**अ**दालतें आम आदामी की अंतिम असाहोती हैं और इस अस को कायम रखने की चुनौती भी उतनी ही बड़ी होती है। मौजूदा समय में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली, मध्यांग, काली, सभल, अजमर तथा इस तरह के तापमान द्वारा आवाजायक, धार्मिक व राजनीतिक जटिलताओं वाले विवाद हमारी अदालतों को साख के लिए नित-नई चुनौतियों पेश करने लगे हैं।

आजकल अदालतों पर दबाव भी बहुत है और इसके बावजूद वाले सभी समझौते के अपने-अपने तर्क व पूछाग्रह हैं। देश में राजनीति का मिजाज दिखता है, उसमें सभव है कि वह अपनी पार्टी के बेहद अनुशासित सिपाही है। पार्टी ने जब उनसे कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बनेंगे और आप उप-मुख्यमंत्री बन जाइए, तो वह मान गए थे। इसी समझदारी से उन्हें सियासत में मजबूती से ला खड़ा किया गया है।

पार्टी और गठबंधन के हित में फड़णवीस के लिए उप-मुख्यमंत्री पद स्वीकार करना अपेक्षाकृत आसान फैसला था, पर उप-मुख्यमंत्री पद स्वीकार करने का फैसला लेने में एकनाथ शिंदे ने दस दिन से ज्यादा समय लगा दिया। गुरुवार को भी उन्होंने स्पष्ट नहीं किया कि वह उप-मुख्यमंत्री पद के लिए मान गए हैं। शुक्रवार सुबह ही यह सुन्दर स्पष्ट हुई कि फड़णवीस मुख्यमंत्री और अंजित पवार व एकनाथ शिंदे उप-मुख्यमंत्री बनेंगे। विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आए, पर उसके बाद 11 दिन तक सत्ता में साझेदारी तक रखने की जैसी लंबी कावायद चली है, वह अपने आप में मिसाल है। कई बार ऐसा लगा कि महाराष्ट्र की सियासत में तोड़फोड़ की विश्वित बन जाएगी, पर सत्ता में वापसी करने वाले गठबंधन ने

देवेंद्र फड़णवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने में 11 दिन लग गए। संकेत यही है कि आगे भी गठबंधन को साथ लेकर चलने में उन्हें परेशानी होगी।

अंततः एक जुट रहते हुए, विवाद को लगभग सुलझा लिया। जहां तक विपक्षी गठबंधन की बात है, तो उसका संख्या बढ़ इतना घट गया है कि सिवाय देखने के बहुत कुछ न कर पाया।

बहरहाल, असली चुनौती तो मंत्रालय वितरण में पेश आएगी। शिंदे की शिवसेना को गृह मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय भी चाहिए और विधानसभा अधिक्षम का पद भी, जबकि भाजपा इन महत्वपूर्ण पदों को अपने पास रखना चाहेगी। शिंदे शायद यह चाहते थे कि पहले मंत्रालय तय हो जाए और उसके बाद ही सकार में समाजिक वितरण में सपात भर अरंग लग जाए, तो असचर्य नहीं। मजबूत गठबंधनों में जब विभान्न दलों के बीच बगावी का विवाह होगा, तो विभाग वितरण में परेशानी होगी ही। गठबंधन में होके दल को अपनी ताकत के अनुरूप आचरण करना चाहिए, पर ऐसा हार बार संभव नहीं होता है। छोटा दल भी अधिकतम पद और शक्ति लेना चाहता है, यही सियासत है और इसे जो बड़ा राजनीतिक दल साथ लेता है, वह सहजता से सत्ता में कायम रहता है। खैर, महाराष्ट्र और देश को तभी फायदा है, जब फड़णवीस सरकार राज्य के विकास में तेजी लाए।

अंततः एक जुट रहते हुए, विवाद को लगभग सुलझा लिया। जहां तक विपक्षी गठबंधन की बात है, तो उसका संख्या बढ़ इतना घट गया है कि सिवाय देखने के बहुत कुछ न कर पाया।

बहरहाल, असली चुनौती तो मंत्रालय वितरण का विवाह हो जाता; विचार की बात यदि रही है तो केवल यह कि प्रदर्शन वर्ष की जो अधिक और जीवंती की जगह हिन्दी को लेनी चाहेगी है, उसमें दिनी को किस प्रकार बदल देने हुए उस स्थान पर ले आया जाये। हिन्दी सहाय्य समेलन हिन्दी की मान्य संस्थाएं हैं, परन्तु यह काम इतना बड़ा है कि इसे संपन्न करने के लिए ऐसी कई संस्थाएं हों, तो भी बड़ी बात नहीं है। अतः पिछले दिनों वर्ष की बाढ़ी छलांग है। एसे में, जाली राज्य महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल गठन में गठबंधन के दबावों की जाह देरी हुई है। ऐसे में, जाली राज्य महा�राष्ट्र में मंत्रिमंडल गठन में गठबंधनों में जब विभान्न दलों के बीच बगावी का विवाह हो जाएगा, तो असचर्य नहीं। मजबूत गठबंधनों में जब विभान्न दलों के बीच बगावी का अपनी ताकत के अनुरूप आचरण करना चाहिए, पर ऐसा हार बार संभव नहीं होता है। छोटा दल भी अधिकतम पद और शक्ति लेना चाहता है, यही सियासत है और इसे जो बड़ा राजनीतिक दल साथ लेता है, वह सहजता से सत्ता में कायम रहता है। खैर, महाराष्ट्र और देश को तभी फायदा है, जब

फड़णवीस सरकार राज्य के विकास में तेजी लाए।

अंततः एक जुट रहते हुए, विवाद को लगभग सुलझा लिया। जहां तक विपक्षी गठबंधन की बात है, तो उसका संख्या बढ़ इतना घट गया है कि सिवाय देखने के बहुत कुछ न कर पाया।

बहरहाल, असली चुनौती तो मंत्रालय वितरण का विवाह हो जाता; विचार की बात यदि रही है तो केवल यह कि प्रदर्शन वर्ष की जो अधिक और जीवंती की जगह हिन्दी को लेनी चाहेगी है, उसमें दिनी को किस प्रकार बदल देने हुए उस स्थान पर ले आया जाये। हिन्दी सहाय्य समेलन हिन्दी की मान्य संस्थाएं हैं, परन्तु यह काम इतना बड़ा है कि इसे संपन्न करने के लिए ऐसी कई संस्थाएं हों, तो भी बड़ी बात नहीं है। अतः पिछले दिनों वर्ष की बाढ़ी छलांग है। एसे में, जाली राज्य महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल गठन में गठबंधन के दबावों की जाह देरी हुई है। ऐसे में, जाली राज्य महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल गठन में गठबंधनों में जब विभान्न दलों के बीच बगावी का विवाह हो जाएगा, तो असचर्य नहीं। मजबूत गठबंधनों में जब विभान्न दलों के बीच बगावी का अपनी ताकत के अनुरूप आचरण करना चाहिए, पर ऐसा हार बार संभव नहीं होता है। छोटा दल भी अधिकतम पद और शक्ति लेना चाहता है, यही सियासत है और इसे जो बड़ा राजनीतिक दल साथ लेता है, वह सहजता से सत्ता में कायम रहता है। खैर, महाराष्ट्र और देश को तभी फायदा है, जब

फड़णवीस सरकार राज्य के विकास में तेजी लाए।

अंततः एक जुट रहते हुए, विवाद को लगभग सुलझा लिया। जहां तक विपक्षी गठबंधन की बात है, तो उसका संख्या बढ़ इतना घट गया है कि सिवाय देखने के बहुत कुछ न कर पाया।

बहरहाल, असली चुनौती तो मंत्रालय वितरण का विवाह हो जाता; विचार की बात यदि रही है तो केवल यह कि प्रदर्शन वर्ष की जो अधिक और जीवंती की जगह हिन्दी को लेनी चाहेगी है, उसमें दिनी को किस प्रकार बदल देने हुए उस स्थान पर ले आया जाये। हिन्दी सहाय्य समेलन हिन्दी की मान्य संस्थाएं हैं, परन्तु यह काम इतना बड़ा है कि इसे संपन्न करने के लिए ऐसी कई संस्थाएं हों, तो भी बड़ी बात नहीं है। अतः पिछले दिनों वर्ष की बाढ़ी छलांग है। एसे में, जाली राज्य महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल गठन में गठबंधन के दबावों की जाह देरी हुई है। ऐसे में, जाली राज्य महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल गठन में गठबंधनों में जब विभान्न दलों के बीच बगावी का विवाह हो जाएगा, तो असचर्य नहीं। मजबूत गठबंधनों में जब विभान्न दलों के बीच बगावी का अपनी ताकत के अनुरूप आचरण करना चाहिए, पर ऐसा हार बार संभव नहीं होता है। छोटा दल भी अधिकतम पद और शक्ति लेना चाहता है, यही सियासत है और इसे जो बड़ा राजनीतिक दल साथ लेता है, वह सहजता से सत्ता में कायम रहता है। खैर, महाराष्ट्र और देश को तभी फायदा है, जब

फड़णवीस सरकार राज्य के विकास में तेजी लाए।

अंततः एक जुट रहते हुए, विवाद को लगभग सुलझा लिया। जहां तक विपक्षी गठबंधन की बात है, तो उसका संख्या बढ़ इतना घट गया है कि सिवाय देखने के बहुत कुछ न कर पाया।

बहरहाल, असली चुनौती तो मंत्रालय वितरण का विवाह हो जाता; विचार की बात यदि रही है तो केवल यह कि प्रदर्शन वर्ष की जो अधिक और जीवंती की जगह हिन्दी को लेनी चाहेगी है, उसमें दिनी को किस प्रकार बदल देने हुए उस स्थान पर ले आया जाये। हिन्दी सहाय्य समेलन हिन्दी की मान्य संस्थाएं हैं, परन्तु यह काम इतना बड़ा है कि इसे संपन्न करने के लिए ऐसी कई संस्थाएं हों, तो भी बड़ी बात नहीं है। अतः पिछले दिनों वर्ष की बाढ़ी छलांग है। एसे में, जाली राज्य महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल गठन में गठबंधन के दबावों की जाह देरी हुई है। ऐसे में, जाली राज्य महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल गठन में गठबंधनों में जब विभान्न दलों के बीच बगावी का विवाह हो जाएगा, तो असचर्य नहीं। मजबूत गठबंधनों में जब विभान्न दलों के बीच बगावी का अपनी ताकत के अनुरूप आचरण करना चाहिए, पर ऐसा हार बार संभव नहीं होता है। छोटा दल भी अधिकतम पद और शक्ति लेना चाहता है, यही सियासत है और इसे जो बड़ा राजनीतिक दल साथ लेता है, वह सहजता से सत्ता में कायम रहता है। खैर, महाराष्ट्र और देश को तभी फायदा है, जब

फड़णवीस सरकार राज्य के विकास में तेजी लाए।

अंततः एक जुट रहते हुए, विवाद को लगभग सुलझा लिया। जहां तक विपक्षी गठबंधन की बात है, तो उसका संख्या बढ़ इतना घट गया है कि सिवाय देखने के बहुत कुछ न कर पाया।

बहरहाल, असली चुनौती तो मंत्रालय वितरण का विवाह हो जाता; विचार की बात यदि रही है तो केवल यह कि प्रदर्शन वर्ष क







## संकट: पिघलने के साथ खिसक भी रहा है ग्लेशियर

- अधिकतम 163 मीटर तक सरका
- मध्य हिमालय में दिखा नया संकट

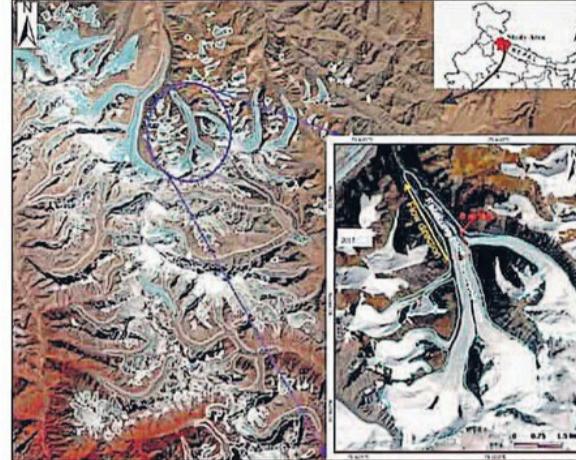


- वाडिया के वैज्ञानिक रख रहे घोली जिले के इस अनाम ग्लेशियर पर अपनी नजर

■ शैलेन्ड सेनावाल  
देहरादून। जलवायु बदलाव और स्थलाकृति के कारण मध्य हिमालय का एक ग्लेशियर तेजी से खिसक रहा है। लंबे समय से पिलल रहे ग्लेशियरों की चिताऊंके नया संकट है। लंबे समय से खिसकते रहे ग्लेशियरों के तेजाना नया संकट है।

देहरादून संस्थान के वैज्ञानिकों ने फली बाढ़ आदि का बहला खतरा तिव्वत की ओर होगा, लेकिन आसपास के इलाकों में इसी तरह के परिवर्तन से भारतीय क्षेत्र से घोलीगांगा क्षेत्र में बाढ़ का खतरा हो सकता है। वैज्ञानिकों ने रिपोर्ट सेंसरों के डेटा विलेखन में पाया है कि 2002 से 2022 तक ग्लेशियर टर्मिनेस में उत्तर चढ़ाव, सतह के बाहर आंखों की ओर खिसकने की दर्दनाक अभी तक अलावा, कारोबर और नेपाल के इफेक्ट और उस क्षेत्र की टोपीग्राहियों को मुख्य बजह मान रहे हैं।

वैज्ञानिकों का खतरा यह है कि इसे



वाडिया के वैज्ञानिक रख रहे घोली जिले के इस अनाम ग्लेशियर पर अपनी नजर

वह शोध एनवायरमेंटल साइंस एंड पॉल्यूशन रिसर्च जनल में हाल ही में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ता वैज्ञानिक डॉ. मनीष मेहता, विनीत कुमार, अजय सिंह राणा और गोविंद रावत ने घोली जिले के घोलीगांगा की नीति घोटी के अधिकारी पर्वी पर के पास स्थित 48 वर्ग किलोमीटर बड़े अनाम ग्लेशियर के तेजाना अव्याप्त में ग्लेशियर के सरकने की स्थिति का खुलासा किया है।

तिव्वत की ओर पहला खतरा, इस ग्लेशियर का उड़म भारत में और निकासी तिव्वत की ओर है। लंबलब आदि का बहला खतरा तिव्वत की ओर होगा, लेकिन आसपास के इलाकों में इसी तरह के परिवर्तन से भारतीय क्षेत्र से घोलीगांगा क्षेत्र में बाढ़ का खतरा हो सकता है। वैज्ञानिकों ने रिपोर्ट सेंसरों के डेटा विलेखन में पाया है कि 2002 से 2022 तक ग्लेशियर टर्मिनेस में उत्तर चढ़ाव, सतह के बाहर आंखों की ओर खिसकने की दर्दनाक अभी तक अलावा, कारोबर और नेपाल के इफेक्ट और उस क्षेत्र की टोपीग्राहियों को मुख्य बजह मान रहे हैं।

वैज्ञानिकों का खतरा यह है कि इसे

मध्य हिमालय के खिसकते और पिघलते ग्लेशियर की वाडिया हिमालय भू-वैज्ञानिक संस्थान की ओर से जारी की गई सेटलाइट तस्वीर।

### क्या होगा असर

डॉ. मनीष मेहता के मुताबिक, ग्लेशियर बदलाव की ये स्थिति निवले इलाकों के लिए खतरनाक है, ऐसी घटनाएं घोली के रोपी में होगी ग्लेशियर टूटने के अधिकारी पर्वी पर के पास स्थित 48 वर्ग किलोमीटर बड़े अनाम ग्लेशियर के तेजाना अव्याप्त में ग्लेशियर के सरकने की स्थिति का खुलासा किया है।

तिव्वत की ओर पहला खतरा, इस ग्लेशियर का उड़म भारत में और निकासी तिव्वत की ओर है। लंबलब आदि का बहला खतरा तिव्वत की ओर होगा, लेकिन आसपास के इलाकों में इसी तरह के परिवर्तन से भारतीय क्षेत्र से घोलीगांगा क्षेत्र में बाढ़ का खतरा हो सकता है। वैज्ञानिकों ने रिपोर्ट सेंसरों के डेटा विलेखन में पाया है कि 2002 से 2022 तक ग्लेशियर टर्मिनेस में उत्तर चढ़ाव, सतह के बाहर आंखों की ओर खिसकने की दर्दनाक अभी तक अलावा, कारोबर और नेपाल के इफेक्ट और उस क्षेत्र की टोपीग्राहियों को मुख्य बजह मान रहे हैं।

ग्लेशियरों पर बढ़ा खतरा: ग्लेशियर रूप से आवादी क्षेत्रों पर बढ़ा खतरा मंडरा रहा है। यह शोध ग्लेशियर से जुड़े खतरों का आकलन करने में मदद करेगा।

ग्लेशियरों को मुक्तानन पहुंचा रही है।

ग्लेशियरों को मुक्तानन पहुंचा रही है।